RAJYA SABHA

Monday, the 18th May, 1970/the 28th Vaisakha, 1892 (Saka)

The House met at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

कयूल-साहेबगंज लूप लाइन पर नई गाड़ियां

*432 श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
श्री मान सिंह वर्मा :‡

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले वर्ष तथा इस वर्ष कितनी नई गाड़ियां चलाई गई और उनमें से पूर्व रेलवे तथा कयूल-साहेबगंज लूप लाइन पर कितनी गाड़ियां चलाई गई;

(ख) क्या यह सच है क्या कि उक्त लूप लाइन पर एक भी नई गाड़ी नही चलाई गई है; और

(ग) यदि हां, तो उस लाइन पर नई गाड़ियां चलाने की व्यवस्था कब तक हो जायगी ?

†[NEW TRAINS ON KIUL-SAHIBGANJ LOOP-LINE

*432. SHRI J P. YADAV :

SHRI MAN SINGH VARMA :‡

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) the number of new trains introduced during the last year and this year and the number of those introduced on the Eastern Railway and on the Kiul-Sahibganj loop-line;

(b) whether it is a fact that not a single new train has been introduced on the said loop-line; and

(c) if so, the time by when arrangements will be made to run new trains on that line?]

रेल मंत्रालय मे उपमंत्री(श्री रोहन लाल चतुर्वेदी) : (क) और (ख) पिछले माली वर्ष में विभिन्न रेलों पर 82 नान-सबरबन गाड़ियां चलायी गयी थी या उनका चालन-क्षेत्र बढ़ाया गया था । चालू माली वर्ष में अभी तक 35 गाड़ियां चलायी गयी हैं या उनका चालन क्षेत्र बढ़ाया गया है । इन 117 गाड़ियों में से पूर्व रेलवे पर 18 गाड़ियां चलायी गयी है या उनका चालन-क्षेत्र बढ़ाया गया है जिनमें से चार गाडियां साहिबगंज लूप लाइन की हैं ।

(ग) साहिबगंज लूप लाइन की मौजूदा गाड़ियों में जितने यात्री चलते हैं, उन्हें देखते हुए अभी वहां और अधिक गाड़ियां चलाने का औचित्य नहीं है ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI ROHANLAL CHATURVEDI): (a) and (b) 82 non-suburban trains were introduced/extended on different railways during the last financial year. During the current financial year, 35 trains have been introduced/extended so far. Of these 117 trains, 18 have been introduced/extended on Eastern Railway and of these 18, four on the Sahibganj Loop line.

(c) The occupation of the existing trains on Sahibganj Loop is not such as to justify introduction of any additional services there at present.]

श्री मान सिंह वर्मा : क्या माननीय मंत्री जी कृपा कर के यह बताने का कष्ट करेंगे कि इस लूप लाइन का सर्वे कराने के पश्चात् कभी इस बात की कोई जांच की गई है कि इस लूप लाइन पर इतनी रेलवे ट्रैस चलनी चाहिये और इसके अलावा वहां का जो ट्रैफिक है उस ट्रैफिक को दृष्टि में रखते हुए जतनी ट्रैस की आवश्यकता है उसके विषय कभी कोई विचार किया गया है ।

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : चेयरमैन महोदय, जो प्रश्न पूछा है उसके उत्तर में मैं इतना बता सकता हूं कि पिछली दफा नवम्बर 1969 में हम लोगों ने एक फिजिकल सेंसस, कुछ स्टेशनों

†[ ] English translation.

‡The question was actually asked on the floor of the House by Shri Man Singh Varma.

पर लिया था, जैसे कि बर्दवान, राम पुर हाट, बरहरवा, साहिबगंज, भागलपुर, क्यूल आदि स्टेशनों पर। 24 ट्रेने इस सेक्शन मे, इस लूप लाइन पर चल रही है। अगर माननीय सदस्य चाहें तो सैंसस की फिगर्स बता सकता हूं या वह चाहें तो मै उसको टेबल पर ले कर सकता हूं।

श्री श्रीकान्त मिश्र : मंत्री महोदय से मै एक गाड़ी का उल्लेख करूंगा। यह लूपलाइन जो आप कह रहे है उसकी तो नही है लेकिन यह रूरकेला और हटिया लाइन की गाड़ी है। माननीय मंत्री को मालूम होगा कि यह रूरकेला एक इंडस्ट्रियल टाउन है उड़ीसा में और हटिया भी बिहारा में एक बहुत बड़ा इंडस्ट्रियल टाउन है और यह गाड़ी इन दोनों को कनेक्ट करती है। वहां 24 घंटे में सिर्फ एक ट्रेन जाती है और 24 घंटे में सिर्फ एक ट्रेन आती है। 166 किलोमीटर दोनों जगहों के बीच का फासला है लेकिन इन दो इंडस्ट्रियल टाउन को मिलाने वाली जो लाइन है उसमें सिर्फ एक ट्रेन ही 24 घंटे में चले, तो इसका क्या कारण है। दूसरी बात यह है कि वह गाड़ी रूरकेला से 10 बज कर 15 मिनट पर खुलती है और वह 4 बज कर कुछ मिनट पर दिन में हटिया पहुंचती है और इसी तरह 11 बजे वह हटिया से खुलती है और 4 बजे के क़रीब रूरकेला पहुंचती है। अब माननीय मंत्री जी जरा यह सोचें कि चाहे रूरकेला में काम करने वाले हों चाहे हटिया में काम करने वाले हों उनको इस गाड़ी से कोई सुविधा है, 4 बजे तो कोई शिफ्ट होगी नहीं, जो अगर वह मार्निंग में पहुंचे तो कोई सुविधा भी हो सकती है। सिर्फ 4 घंटे या 5 घंटे का रन है तो ज्यादा से ज्यादा 10 बजे सुबह पहुंचे तो कुछ काम हो सकता है।

श्री सभापति : अब आप सवाल को खत्म भी कीजिये।

श्री श्रीकान्त मिश्र : तो मै माननीय मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि वह इस पर विचार करें। मेरा पूछना है कि क्या इस पर विचार किया गया है कि इसमें और गाड़ी बढ़ाई जाय और उसके टाइमिंग के बारे में कुछ किया जाय।

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : चेयरमैन महोदय यह प्रश्न मुख्यतः साहिबगंज लूपलाइन के बारे मे है और माननीय सदस्य ने रूरकेला और हटिया के बारे में पूछा है। वह चाहे तो उस के लिये प्रश्न का अलग से नोटिस दे दें और मैं उसका उत्तर दूंगा।

DEFECTIONS IN LEGISLATURES

*433. SHRI SITARAM JAIPURIA: Will the Minister of LAW AND SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that defections and redefections in the legislatures in the country have greatly instabilised the democratic administration in the country;

(b) if so, whether the Government of India are contemplating to bring forward a legislation to check the defections and re-defections by providing 'recall' in the electoral law;

(c) if so, the details thereof; and

(d) the other methods which are also being considered to check this virus before the General Elections to be held in the year 1972?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF LAW AND IN THE DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE (SHRI MOHAMMED YUNUS SALEEM) : (a) to (d) It is generally felt that defection is a factor which contributes to instability and the report of the Committee on defections is yet to be discussed in the other House. In the light of these discussions, Government may take necessary steps.

SHRI SITARAM JAIPURIA : The honourable Minister has said that defection is a factor which contributes to the instability in parliamentary democracy. May I know from the honourable Minister whether it is not a fact that merely for fear of defections the State Assemblies meet only once in six months in order to comply with the Constitutional requirement and adjourn the Assembly *sine die* on one pretext or the other? By what time will the Government consider the report submitted by the Committee? How is, this fact whether the other House has discussed it or not relevant for a decision to be taken by the Government?